

17.5.2014

पत्रावली पेरा डुकी वकील वही नपुसिवाडी उपलव्ध
नकी। वकील वही नपुसिवाडी को कार-कार था। वीज
लगाई। छि भी दाजिर नही। वाड वही थान-
पेरी व थान दाजरी में वारीज बिपा जाता है।
पत्रावली तम्ब से कम की जाऊ कए व वीज
व वकील जाणा दाखिल दफतर हो।

म-

